

# आर्थिक भूगोल के मूल तत्व

Elements of Economic Geography

डॉ० अलका गौतम



शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

## विषय-सूची

1. **आर्थिक भूगोल : एक परिचय** 1-14  
(*Economic Geography : An Introduction*)  
आर्थिक भूगोल का अर्थ, आर्थिक भूगोल की परिभाषाएँ, आर्थिक भूगोल का क्रमबद्ध विकास, आर्थिक भूगोल की प्रकृति (स्वरूप), आर्थिक भूगोल का कार्य क्षेत्र, आर्थिक भूगोल का कार्यक्षेत्र, आर्थिक भूगोल का महत्व, वाणिज्यिक भूगोल बनाम आर्थिक भूगोल, आर्थिक भूगोल बनाम संसाधन भूगोल, आर्थिक भूगोल का भूगोल की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध, अर्थशास्त्र बनाम आर्थिक भूगोल, आर्थिक भूगोल के अध्ययन के उपागम, आर्थिक भूगोल की आधारभूत संकल्पनाएँ, अभ्यास।
2. **संसाधन** 15-39  
(*Resources*)  
संसाधन की परिभाषा, संसाधन, प्रतिरोध एवं उदासीन तत्व, स्टॉक, संसाधन, आरक्षित भण्डार एवं संभावित संसाधन, संसाधनों की संकल्पनाएँ, संसाधनों की कार्यात्मक या सक्रियात्मक संकल्पना, अभिनव भौगोलिक साहित्य में संसाधनों की संकल्पना, संसाधन पर्याप्तता की संकल्पना, संसाधन दुर्लभता संकल्पना या वृद्धि की सीमाएँ, संसाधन निर्माणकारी कारक, संसाधन की प्रक्रिया, संसाधन निर्माण में प्रकृति एक कारक के रूप में, मानव एवं संसाधन, संस्कृति एवं संसाधन, संसाधन-विकास में प्राविधिकी की भूमिका, संसाधन विकास, संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर वर्गीकरण, संसाधनों के वितरण एवं बारम्बारता पर आधारित वर्गीकरण, संसाधनों के प्रयोग पर आधारित वर्गीकरण, संसाधनों का वर्तमान वर्गीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, संसाधन संरक्षण की संकल्पना, संरक्षण के उद्देश्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए नियोजन, अभ्यास।
3. **मिट्टियाँ** 40-57  
(*Soils*)  
मिट्टी का संघटन, मिट्टी का निर्माण, अपक्षय, मृदाजनन मिट्टी के निर्माण के कारक, निष्क्रिय कारक, सक्रिय कारक, मिट्टी की परिच्छेदिका, मिट्टी निर्माण के प्रक्रम, मिट्टी की विशेषताएँ, मिट्टियों का वर्गीकरण, भू-स्थिति के अनुसार, पैतृक शैलों के अनुसार, गुणों के अनुसार, उपयोग के आधार पर मिट्टियों का वर्गीकरण, रूसी मृदा वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत वर्गीकरण, अमेरिकी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत वर्गीकरण, संयुक्त राज्य के कृषि विभाग द्वारा नवीनतम वर्गीकरण, भूमि उपयोग एवं मिट्टियाँ, मिट्टी की आर्थिक योजना, मिट्टी की समस्याएँ, मृदा अवनयन, मृदा अपरदन, वायुमण्डलीय प्रदूषण, भूमिगत जल का हास, मिट्टी का परिरक्षण एवं संरक्षण, अभ्यास प्रश्न।
4. **जल संसाधन** 58-69  
(*Water Resources*)  
भूमिगत जल संसाधन, धरातलीय एवं संसाधन, स्थलीय जल संसाधन, मानव द्वारा स्थलीय जल संसाधनों का उपयोग : नदियाँ, नहरें, झीलें एवं आन्तरिक सागर, स्थलीय जल संसाधन एवं मानव, महासागरीय जल संसाधन, महासागरों के विशिष्ट लक्षण, जल संसाधनों का संरक्षण, जल संरक्षण की तकनीकें, अभ्यास।
5. **प्राकृतिक वनस्पति** 70-82  
(*Natural Vegetation*)  
वनस्पति विकास के कारक, प्राकृतिक वनस्पति के आधार, वन, घास प्रदेश, मरुस्थलीय वनस्पति, टुण्ड्रा वनस्पति, वन संसाधनों का वितरण, वनों का आर्थिक उपयोग, वन-विनास या निर्वनीकरण, वनों का संरक्षण, वन संरक्षण की तकनीकें, अभ्यास।

## 6. खनिज संसाधन

83-128

### (Mineral Resources)

खनिजों के प्रकार, धात्विक खनिज, अधात्विक खनिज, खनिज संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ, उत्खनन को प्रभावित करने वाले कारक, विश्व के प्रमुख खनन क्षेत्र, धात्विक खनिज, लौह अयस्क, लौह अयस्क के प्रकार, लौह अयस्क का वितरण, लौह अयस्क उत्पादन, लौह-पूरक धातुएँ, मैंगनीज, मैंगनीज का वितरण, प्रमुख उत्पादक क्षेत्र, क्रोमियम, उत्पादक क्षेत्र, निकिल, वितरण एवं उत्पादन, टंगस्टन, उत्पादक क्षेत्र, एन्टीमनी, उत्पादक क्षेत्र, अलौह धातुएँ, ताँबा, ताँबा का वितरण, बॉक्साइट, एल्युमिनियम की प्राप्ति, बॉक्साइट खनन के क्षेत्र, जस्ता, खनन के प्रमुख क्षेत्र, सीसा, सीसा खनन के क्षेत्र, टिन, टिन खनन के क्षेत्र, बहुमूल्य धातुएँ-स्वर्ण, स्वर्ण खनन के प्रमुख क्षेत्र, चाँदी, चाँदी खनन के प्रमुख क्षेत्र, प्लेटिनम, खनिज रसायन, अभ्रक, अभ्रक के प्रकार, उत्पादक क्षेत्र, गन्धक, पोटाश, फास्फेट, खनिज संसाधनों का संरक्षण, अभ्यास।

## 7. शक्ति संसाधन

129-180

### (Power Resources)

कोयला, कोयले का महत्त्व, कोयले की प्रकृति एवं उत्पत्ति, कोयले के प्रकार, कोयला खनन की विधियाँ, कोयला क्षेत्रों का वितरण तथा उत्पादन, दक्षिणी महाद्वीपों में कोयला खनन, कोयले के उपजात पदार्थ, कोयले का संरक्षण, पेट्रोलियम, पेट्रोलियम का महत्त्व, पेट्रोलियम की उपस्थिति, पेट्रोलियम की उत्पत्ति एवं प्राप्ति, पेट्रोलियम शोधन, पेट्रोलियम के भण्डार, तेल की खोज, पेट्रोलियम उत्पादन के क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में पेट्रोलियम उत्पादन, ऊर्जा संकट, प्राकृतिक गैस, प्राकृतिक गैस का उत्पादन, जल विद्युत, जल विद्युत का महत्त्व (लाभ), जल विद्युत उत्पादन के लिये आवश्यक दशाएँ, भौतिक दशाएँ, आर्थिक दशाएँ, विभव एवं विकसित जल विद्युत शक्ति का वितरण, जलविद्युत शक्ति के उत्पादक क्षेत्र, जलशक्ति का विभव, विकसित जल विद्युत शक्ति, परमाणु ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा का महत्त्व (लाभ), परमाणु ऊर्जा के ईंधन या खनिज, यूरेनियम का वितरण, यूरेनियम उत्पादन, थोरियम, परमाणु ऊर्जा का उत्पादन, परमाणु ऊर्जा-भविष्य की ऊर्जा, ऊर्जा के अपरम्परागत स्रोत, ऊर्जा के अपरम्परागत स्रोतों के प्रबन्धन का इतिहास, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, महासागरीय ऊर्जा, जीवभार ऊर्जा, ठोस अपशिष्ट पदार्थ, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के विकास के लिए तर्क, अभ्यास।

## 8. मानव संसाधन

181-234

### (Human Resources)

मानव संसाधनों का महत्त्व, जनसंख्या-वितरण, जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक, विश्व में जनसंख्या का वितरण, वास्य क्षेत्र, अवास्य क्षेत्र, जनसंख्या का महाद्वीपीय वितरण, जनसंख्या का घनत्व, विश्व में जनसंख्या घनत्व के प्रतिरूप, जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण, जन्म एवं मृत्यु दरें, जीवन प्रत्याशा, जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, जनसंख्या वृद्धि की अवस्थाएँ या जनसंख्या चक्र या जनांकिकीय संक्रमण, जनसंख्या संक्रमण की विभिन्न अवस्थाएँ, जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त के कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य, आदर्श या अनुकूलतम संख्या, जनसंख्या की विशेषताएँ, आयु संरचना, लिंग संरचना, नगरीयकरण, साक्षरता, क्रियाशील जनसंख्या, जनाभाव, जनसंख्या की समस्याएँ, जनसंख्या समस्याएँ, विकासशील देशों की समस्याएँ, विकसित देशों की समस्याएँ, यूरोप में जनसंख्या की समस्या, जनसंख्या नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि को हतोत्साहित करने की नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ, जनसंख्या समस्या एवं निदान, जनसंख्या, संसाधन एवं प्राविधिकी, जनसंख्या, संसाधन एवं प्राविधिकी के सिद्धान्त, माल्थस का सिद्धान्त, नव माल्थस सिद्धान्त, वृद्धि की सीमा मॉडल, मॉडल की आलोचना, बॉयल मॉडल, अभीष्ट जनसंख्या मॉडल, संश्लिष्ट अन्तर्सम्बन्ध मॉडल, जनसंख्या-संसाधन प्रदेश, अभ्यास।

9. विश्व की प्रमुख अर्थ व्यवस्थाएं 235-243  
*(Major World Economies)*  
 आर्थिक क्रिया का अर्थ, आर्थिक क्रियाओं तथा प्राकृतिक पर्यावरण में सम्बन्ध, मानव द्वारा पर्यावरण एवं व्यवसाय की छाँट, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र, विद्यमान आर्थिकतन्त्र के प्ररूप, अभ्यास।
10. प्राथमिक व्यवसाय 244-258  
*(Primary Occupations)*  
 आखेट एवं मत्स्योत्पादन, टुण्ड्रा एवं टैगा में आखेट, उष्ण कटिबन्धीय वनों, सवाना तथा उष्ण कटिबन्धीय द्वीपों में आखेट, पशुचारण, चलवासी पशु चारण, वाणिज्यिक पशुचारण, उष्ण कटिबन्धीय घास प्रदेश, शीतोष्ण कटिबन्धीय घास मैदान, बनोद्योग एवं लकड़ी काटना (काष्ठ उद्योग), शीतोष्ण वनों में लकड़ी उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में लकड़ी उत्पादन, यूरेशिया में लकड़ी उत्पादन, उष्ण कटिबन्ध में लकड़ी उत्पादन, वस्तु संग्रह अथवा एकत्रण, अभ्यास।
11. पशुपालन 259-279  
*(Livestock Raising)*  
 पशु संसाधनों का महत्त्व, दुग्ध व्यवसाय, दुग्ध उत्पादन क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में दुग्ध उत्पादन, यूरोपीय देशों में दुग्ध उत्पादन, एशिया में दुग्ध उत्पादन, ओशीनिया, दुग्ध पदार्थों का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, मक्खन, पनीर, माँस उद्योग, गोमाँस, प्रमुख गोमाँस उत्पादक देश, लेटिन अमेरिकी देशों में गोमाँस उत्पादन, अफ्रीकी देशों में गोमाँस उत्पादन, एशियाई देशों में गोमाँस उत्पादन, यूरोपीय देशों में गोमाँस उत्पादन, गोमाँस का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, मटन (भेड़ माँस), भेड़ माँस उत्पादक क्षेत्र, बकरियाँ, सुअर का माँस, ऊन, ऊन उत्पादन क्षेत्र, ऊन के अन्य स्रोत, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अभ्यास।
12. मत्स्योत्पादन 280-287  
*(Fisheries)*  
 वाणिज्यिक स्वच्छ जलीय मत्स्योत्पादन, वाणिज्यिक तटवर्ती मत्स्योत्पादन, खुले सागरों में मत्स्योत्पादन, मत्स्योत्पादन के प्रमुख क्षेत्र, गौण मत्स्य क्षेत्र, प्रमुख मत्स्योत्पादक क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, ह्वेल प्राप्ति, अभ्यास।
13. कृषि : अवस्थिति 288-303  
*(Agriculture : Location)*  
 कृषि के स्वरूप, कृषि की विविधता, कृषि का वाणिज्यीकरण, यान्त्रिक क्रान्ति एवं कृषि, कृषि की अवस्थिति, विश्व में कृषित भूमि, सिंचित क्षेत्र, कृषि अवस्थिति के सिद्धान्त, वॉन थ्यूनेन का सिद्धान्त, अभिग्रहीत, तीव्रता का सिद्धान्त, भूमि उपयोग की भिन्नता का सिद्धान्त, वॉन थ्यूनेन के सिद्धान्त की आलोचना, वॉन थ्यूनेन के मॉडल की प्रासंगिकता, सिन्क्लेयर का सिद्धान्त, ओलोफ जोनासन का सिद्धान्त, बेकर का सिद्धान्त, हूवर का सिद्धान्त, कीड़ा सिद्धान्त, अभ्यास।
14. कृषि : पद्धतियाँ एवं प्रदेश 304-337  
*(Agriculture : Systems and Regions)*  
 कृषि के प्रादेशीकरण की योजनाएं, ह्विटलसी का वर्गीकरण, ह्विटलसी के वर्गीकरण की समीक्षा, पारिस्थितिक तन्त्र, निर्वाहक तन्त्र, वाणिज्यिक तन्त्र, सामूहिक तन्त्र, नकदी फसल तन्त्र, कृषि प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएँ, नकदी फसलोत्पादन, कृषि प्रदेश, संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि, (पूर्ववर्ती) सोवियत संघ के कृषि प्रदेश, चीन के कृषि प्रदेश, चीन की वैज्ञानिक अकादमी द्वारा कृषि प्रादेशीकरण, भारत की कृषि पद्धतियाँ एवं कृषि प्रदेश, अभ्यास।

15. कृषि उत्पादन : धान्य फसलें

338-355 20

*(Agricultural Production : Cereal crops)*

गेहूँ, उत्पत्ति की भौगोलिक दशाएँ, आर्थिक दशाएँ, गेहूँ की किस्में, गेहूँ उत्पादक क्षेत्र, एशिया में गेहूँ उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में गेहूँ उत्पादन, यूरोप में गेहूँ उत्पादन, आस्ट्रेलिया में गेहूँ उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में गेहूँ उत्पादन, अफ्रीका में गेहूँ उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, चावल, उत्पादन की दशाएँ, चावल की किस्में, उत्पादन की विधियाँ, चावल का उत्पादक क्षेत्र, अन्य चावल उत्पादक देश, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, मक्का, उपज की दशाएँ, मक्का उत्पादक क्षेत्र, लेटिन अमेरिका में मक्का उत्पादन, यूरोप में मक्का उत्पादन, एशिया में मक्का उत्पादन, अन्य एशियाई देश, अफ्रीका में मक्का उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, जौ, उत्पादन की दशाएँ, जौ उत्पादन क्षेत्र, अभ्यास।

16. पेय फसलें

356-370

*(Beverage Crops)*

चाय, उत्पादन की दशाएँ, चाय उत्पादक क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, कहवा, उपज की दशाएँ, कहवा उत्पादक क्षेत्र, लेटिन अमेरिका में कहवा उत्पादन, एशिया में कहवा उत्पादन, अफ्रीका में कहवा उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, कोको, उपज की दशाएँ, कोको उत्पादन क्षेत्र, अफ्रीका में कोको उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में कोको उत्पादन, एशिया देश में कोको उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, तम्बाकू, उपज की दशाएँ, तम्बाकू उत्पादक क्षेत्र, मध्य अमेरिकी देशों में तम्बाकू उत्पादन, यूरोपीय देशों में तम्बाकू उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अभ्यास।

17. औद्योगिक फसलें

371-394

*(Industrial Crops)*

कपास, कपास की किस्में, उपज की दशाएँ, कपास उत्पादक क्षेत्र, आंग्ल अमेरिका में कपास उत्पादन, एशिया में कपास उत्पादन, लेटिन अमेरिका में कपास का उत्पादन, अफ्रीका में कपास उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, जूट या पटासन, उपज की दशाएँ, जूट उत्पादन क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, फ्लैक्स, उपज की दशाएँ, फ्लैक्स उत्पादक क्षेत्र, हैम्प, अन्य रेशे, कच्चा रेशम, रेशम उत्पादन क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, प्राकृतिक रबड़, प्राकृतिक रबड़ के अन्य स्रोत, दक्षिणी पूर्वी एशिया में रबड़ के बागान, रबड़ का उत्पादन क्षेत्र, प्राकृतिक रबड़ का भविष्य, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, गन्ना, उपज की दशाएँ, गन्ना उत्पादन क्षेत्र, अमेरिका में गन्ना उत्पादन, एशिया में गन्ना उत्पादन, अफ्रीका में गन्ना उत्पादन, चुकन्दर, उपज की दशाएँ, चुकन्दर उत्पादक क्षेत्र, चीनी उद्योग, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अभ्यास।

18. विनिर्माणी उद्योग : अवस्थिति

395-411

*(Manufacturing Industries : Location)*

विनिर्माणी उद्योग का अर्थ, कच्चे माल एवं तैयार माल, विनिर्माण के प्रकार, उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक, स्थिति के भौगोलिक कारक, कारखाना अवस्थिति के सिद्धान्त, वेबर का औद्योगिक स्थानीयकरण का सिद्धान्त, मान्यताएँ, परिवहन लागतों का प्रभाव, श्रम लागत का प्रभाव, समूहीकरण का प्रभाव, आलोचना, भार-हानि में परिवहन लागत सिद्धान्त, श्रम अविकल एवं परिवहन लागत का सिद्धान्त, बाजार प्रतिस्पर्धा सिद्धान्त, समन्वित सिद्धान्त, व्यवहार परक स्थापना सिद्धान्त, अभ्यास।

19. लोहा एवं इस्पात उद्योग

412-430

*(Iron and Steel Industry)*

लोहा विनिर्माण का विकास, आधुनिक इस्पात प्राविधिकी का विकास, आधुनिक विकास, लोहा इस्पात उत्पादक क्षेत्र, आंग्ले-अमेरिका में इस्पात उत्पादन, लेटिन अमेरिका में इस्पात उत्पादन, यूरोप में इस्पात उत्पादन, एशिया में लोहा-इस्पात उत्पादन, आस्ट्रेलिया में इस्पात उत्पादन, अफ्रीका में इस्पात उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अभ्यास।

## 20. वस्त्र उद्योग

431-459

### (Textile Industry)

सूती वस्त्र उद्योग, वस्त्र निर्माण की प्रक्रियाएँ, सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थापना के कारक, वस्त्रोद्योग का वितरण, एशिया में सूती वस्त्रोत्पादन, जापान, पाकिस्तान, दक्षिणी कोरिया, टर्की, यूरोप में सूती वस्त्रोत्पादन, पूर्ववर्ती सूती सोवियत संघ, इटली, फ्रांस, जर्मनी, पोलैण्ड, ग्रेट ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम), अन्य यूरोपीय देश, आंग्ल अमेरिका में सूती वस्त्रोत्पादन, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, लैटिन अमेरिका में सूती वस्त्रोत्पादन, मैक्सिको, अफ्रीका में सूती वस्त्रोत्पादन, आस्ट्रेलिया में सूती वस्त्रोत्पादन, ऊनी वस्त्र उद्योग, विश्व में ऊनी वस्त्रोत्पादन, यूरोप में ऊनी वस्त्रोत्पादन, यूनाइटेड किंगडम (ग्रेट ब्रिटेन), एशिया में ऊनी वस्त्रोत्पादन, भारत, उत्तरी अमेरिका में ऊनी वस्त्रोत्पादन, संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिणी महाद्वीपों में ऊनी वस्त्रोत्पादन, रेशमी वस्त्रोद्योग, विश्व में रेशमी वस्त्रोत्पादन, एशिया में रेशम उत्पादन, जापान, भारत, मध्य एशियाई देश, यूरोप में रेशमी वस्त्रोत्पादन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका में रेशमी वस्त्रोत्पादन, कृत्रिम रेशमी वस्त्र उद्योग, विश्व के कृत्रिम रेशों तथा वस्त्रों का उत्पादन, जापान, यूनाइटेड किंगडम, (पूर्व) सोवियत संघ, जर्मनी, इटली, फ्रांस, भारत, अभ्यास।

## 21. रासायनिक उद्योग

460-487

### (Chemical Industries)

रसायनों का वर्गीकरण, रासायनिक उद्योग की शाखाएँ, रासायनिक उद्योग की अवस्थिति, अम्लों का उत्पादन, नाइट्रिक एसिड, क्षारों का उत्पादन, सोडा एश, कास्टिक सोडा, क्लोरीन, अमोनिया, रासायनिक उद्योगों की प्रगति, संयुक्त राज्य अमेरिका में रसायन-निर्माण, अन्य प्रदेश में रसायन निर्माण, जर्मनी, पूर्ववर्ती सोवियत संघ, फ्रांस, इटली, यूनाइटेड किंगडम, जापान, भारत, चीन, उर्वरक उद्योग, नाइट्रोजन उर्वरक, फास्फेट उर्वरक, पोटैश उर्वरक, विस्फोटक सामग्री, सिन्थेटिक रबड़ उद्योग, उत्पादन, काँच उद्योग, संयुक्त राज्य अमेरिका का काँच उद्योग, यूरोप का काँच उद्योग, एशिया में काँच उद्योग, लुगदी एवं कागज उद्योग, लुगदी उत्पादन की दशाएँ, लुगदी का उत्पादन, कागज एवं गत्ता निर्माण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, प्लास्टिक उद्योग, पेट्रोलियम शोधन, स्थानीयकरण, विश्व में तेल शोधन, सीमेन्ट उद्योग, सीमेन्ट उद्योग का वितरण, एशिया में सीमेन्ट उत्पादन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय देश, अभ्यास।

## 22. इंजीनियरिंग उद्योग

488-505

### (Engineering Industries)

इंजीनियरिंग उद्योगों की विशेषताएँ, मशीनी यन्त्रों तथा मशीनरी का निर्माण, उत्पादन के क्षेत्र, संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्ववर्ती सोवियत संघ, यूरोप में मशीन उपकरण उद्योग, एशिया में मशीन उपकरण उद्योग, औद्योगिक मशीनरी, टेक्सटाइल (वस्त्रोद्योग) मशीनरी, अन्य औद्योगिक मशीनरी, कृषि मशीनरी, परिवहन उपकरण उद्योग, मोटर उद्योग, रेलवे इंजनों एवं गाड़ियों का निर्माण, वायुयान निर्माण उद्योग, पोत-निर्माण उद्योग, अभ्यास।

## 23. औद्योगिक प्रदेश

506-526

### (Industrial Regions)

औद्योगिक प्रदेश की विशेषताएँ, औद्योगिक प्रदेश का सीमांकन, औद्योगिक प्रदेश के प्रमुख तत्व, विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, अभ्यास।

## 24. परिवहन एवं व्यापार मार्ग

527-551

### (Transport and Trade Routes)

परिवहन का महत्व एवं विकास, परिवहन के आधार, परिवहन के माध्यम एवं सापेक्षिक महत्व, जल परिवहन, सामुद्रिक जलमार्ग, स्वेज नहर मार्ग, पनामा नहर मार्ग, आन्तरिक

जलमार्ग, आन्तरिक जलमार्गों के प्रमुख प्रदेश, रेल-परिवहन, रेलमार्गों को प्रभावित करने वाले कारक, रेलमार्गों का घनत्व, रेल परिवहन में नई प्रवृत्तियाँ, प्रमुख देशों में रेलमार्ग, सड़क परिवहन, सड़क परिवहन का महत्व, सड़कों का वितरण, वायु परिवहन, वायु परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक, पाइप लाइन परिवहन, पेट्रोलियम पाइप लाइनें, गैस पाइप लाइनें, (परिवहन) नेटवर्क विश्लेषण, अभ्यास।

25. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

*(International Trade)*

व्यापार का विकास, व्यापार के प्रकार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अवरोधक, विश्व व्यापार प्रतिरूप, प्रमुख व्यापारिक प्रखण्ड, विश्व के प्रमुख व्यापारिक गुट, यूरोपीय समुदाय, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, पारस्परिक आर्थिक सहयोग परिषद्, लैटिन अमेरिका स्वतन्त्र व्यापार संघ, दक्षिणी पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ, पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन, अफ्रीकी गुट, राष्ट्रमण्डल, साप्टा, उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता, लोम कन्वेन्शन, अंकटाड, गैट एवं विश्व व्यापार संगठन, डंकल प्रस्ताव, उरुग्वे दौर के प्रमुख प्रावधान, बहु-रेशा व्यवस्था, गैट में सामाजिक अनुबन्ध, गैट में पर्यावरण संरक्षण अनुबन्ध, गैट का उरुग्वे दौर एवं नये परिवर्तन, विश्व व्यापार संगठन, विश्व व्यापार संगठन एवं भारत, सकारात्मक प्रभाव, नकारात्मक प्रभाव, अभ्यास।

26. आर्थिक प्रदेश एवं प्रादेशीकरण

*(Economic Regions and Regionalisation)*

आर्थिक विकास की विभिन्न अवस्थाएँ, आधुनिक आर्थिक विकास, आर्थिक विकास का मापन, विकास के आर्थिक कारक, विकास के सामाजिक कारक, विकास के जनांकिकीय कारक, आर्थिक विकास के अन्य कारक, आर्थिक विकास के सिद्धान्त, आधुनिकीकरण सिद्धान्त, पराश्रियता सिद्धान्त, विकास का समन्वित सिद्धान्त, विकास का अवस्था परक सिद्धान्त, आर्थिक विकास का प्रादेशिक प्रसार, मौलिक आवश्यकता सिद्धान्त, विद्यमान आर्थिक तन्त्र के प्रारूप, आर्थिक प्रदेश एवं प्रादेशीकरण, प्रादेशीकरण, विकासशील देशों में विभिन्नता, अभ्यास।

27. बाजार केन्द्र

*(Market Centres)*

बाजार केन्द्र, बाजार नियम, यातायात नियम, प्रशासकीय नियम, खुदरा (फुटकर) एवं थोक बाजार, खुदरा व्यापार, खुदरा व्यापार का वैश्वीकरण।

28. बाजारोन्मुख अर्थतन्त्र एवं भूमण्डलीकरण

*(Market Oriented Economy and Globalisation)*

बाजारोन्मुख अर्थतन्त्र, बाजारोन्मुख अर्थतन्त्र की परिणति, भूमण्डलीकरण, भारत एवं भूमण्डलीकरण, उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण, भारत पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव, व्यापार पर प्रभाव, असमानता एवं निर्धनता, अभ्यास।